ॐ

~~~~~~

विद्या भवन,बालिका विद्यापीठ,लखीसराय।

कक्षा-अष्टम विषय -हिन्दी

दिनांक-:28/06/2020 **बाट की पहचान**

प्रश्न-अभ्यास

卐 सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया 卐

शुभ प्रभात!

आपका दिन मंगलमय हो, आप हमेशा हँसते- मुस्कुराते रहें!

प्यारे छात्रों, आपने कविता पढ़ा, कविता के भावार्थ को पढ़ा। अब कविता के इस पाठ के प्रश्न- अभ्यास को बनाएँ।
~~~~~~

1. सही विकल्प पर ✅ का निशान लगाइए:

(क)'बाट की पहचान' से तात्पर्य:-

(I) यह रास्ता किस तरफ से आता है।

(II) यह रास्ता कहाँ जा रहा है।

(III) मुझे किस रास्ते पर चलना है।

(IV) यह रास्ता कितना बड़ा है।

(ख) 'छोड़ पैरों की निशानी' का अभिप्राय है:-

(I) अपने अच्छे कर्मों से नाम कमाना।

(II) बालू में चलने से पैरों के निशान बन जाना।

(III)दलदल जमीन पर चलने से निशान बन जाना

(IV) अच्छे-बुरे सभी कार्यों से समाज में नाम फैलाना।

(ग)सफल पंथी कौन है?

(I)जो बार-बार रास्ता बदले

(II) जो दूसरों की नकल करके चले

(III) जो पहले सोच- समझकर न चले।

(IV) जो एक ही रास्ते पर दृढ़तापूर्वक चले।

(घ) कवि ने स्वप्न किसे कहा है?

(I) कोमलताएँ

(II) भावनाएँ

(III) इच्छाएँ

(IV) वासनाएँ

2. लघु उत्तरीय प्रश्न:

(क) इस कविता में कवि किसे संबोधित कर रहा है?

(ख) किस पथ की पहचान करने को कवि कह रहा है?

(ग) कवि के अनुसार यात्रा कब सरल होती है?

(घ) कवि के अनुसार कंटकों से क्या तात्पर्य है ?

3. दीर्घ उत्तरीय प्रश्न:

(क) कवि के अनुसार वह कौन होंगे जो इस रास्ते पर अपने पैरों के निशान छोड़ जाते हैं?

(ख)उन पद चिह्नों से हमें क्या-क्या ज्ञात हो सकता है?

(ग) हमें किन किन बातों पर समय बर्बाद नहीं करना चाहिए?

(घ) 'तू इसे अच्छा समझ' के द्वारा कवि किस मानसिकता की ओर संकेत कर रहा है?

(ड़)सरिता, गिरि, गह्वर, बाग-वन किसके प्रतीक हैं?

शेष प्रश्न अगली कक्षा में ।

धन्यवाद

कुमारी पिंकी "कुसुम"

🌴🌴" हम सुरक्षित जग सुरक्षित"🌴🌴